Seat No. : _____

MQ-209(H)

May-2025

B.A., Sem.-IV

EC-I-212 : Psychology

(Psychopathology-II)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. मद्य व्यसनता क्या है ? मद्य व्यसनता के प्रमाण एवं संबंधित समस्याएँ समझाइए । **14**

अथवा

1. एल.एस.डी. एवं इससे संबंधित दवाओं के विषय में विस्तृत जानकारी दीजिए । **14**

2. तनाव का क्या अर्थ है ? तनाव के लक्षण बताइए । **14**

अथवा

2. तनाव के प्रति व्यक्ति की शारीरिक प्रतिक्रियाओं का वर्णन कीजिए । **14**

3. तनाव प्रबंधन के विषय में विस्तृत रूप से समझाइए । **14**

अथवा

3. तनाव कारकों का वर्गीकरण कीजिए । **14**

4. मनोदैहिक विकृतियों के कारण बताते हुए मनोवैज्ञानिक कारणों को सविस्तार समझाइए । **14**

अथवा

4. मनोदैहिक विकृतियों के मुख्य प्रकार बताते हुए हृदय संबंधी विकृति को सविस्तार समझाइए । **14**

5. निम्न कथनों में सही या गलत बताइए : (कोई **सात**) **14**

(1) व्यसन की विकृतियों में केवल मादक द्रव्यों का दुरुपयोग समावेश होता है, जैसे दवाएँ और अल्कॉहल ।

(2) मादक द्रव्यों का दुरुपयोग और उस पर निर्भरता एक ही बात है ।

(3) व्यसन की विकृतियाँ हमेशा आनुवंशिक कारकों के कारण होती हैं एवं पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित नहीं होती हैं ।

(4) तनाव शरीर पर शारीरिक एवं मानसिक दोनों प्रकार से प्रभाव डालता है ।

(5) तीव्र तनाव रोग प्रतिकारक शक्ति को कमजोर बनाता है एवं विविध स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ाता है ।

(6) सभी व्यक्ति समान रूप से एवं समान मात्रा में तनाव का अनुभव करते हैं ।

(7) वित्तीय तनाव जैविक तनाव का उदाहरण है ।

(8) शौक एवं प्रवृत्तियों में व्यस्त रहने से आनंद एवं आराम मिलता है जो तनाव से सामना करने का असरकारक तरीका है ।

(9) मित्रों, कुटुंबीजनों अथवा चिकित्सक से मदद लेने से तनाव को संतुलित करने में सहायता मिलती है ।

(10) तनाव, आघात एवं आवेगात्मक कारण मनोदैहिक विकृतियों के बढ़ने में योगदान देते हैं ।

(11) मनोदैहिक विकृति पूर्ण रूप से मनोवैज्ञानिक है और इसका कोई शारीरिक आधार नहीं है ।

(12) बाल्यावस्था का आघात अथवा शोषण, युवावस्था में मनोदैहिक विकृति का जोखिम बढ़ाता है ।